Resource: मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)

unfoldingWord® Translation Words © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license. unfoldingWord® Translation Words has been adapted in the following languages: Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文) from unfoldingWord® Translation Words © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license by Mission Mutual

मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)

न

नए सिरे से जन्म लेना

परिभाषा:

"नए सिरे से जन्म लेना" इस उक्ति का प्रयोग पहली बार यीशु ने किया था कि वर्णन करे कि परमेश्वर द्वारा मनुष्य को आत्मिक मृत्यु से आत्मिक जीवन में बदल दी जाने का अर्थ क्या है| :परमेश्वर से जन्मा" और "आत्मा से जन्मा" का सन्दर्भ भी मनुष्य को आत्मिक नवजीवन प्रदान किए जाने से है|

- सब मनुष्य जन्म से आत्मिक रूप से मृत होते हैं परन्तु मसीह यीशु को अपना उद्धारकर्ता ग्रहण करने पर वे "नया जन्म" लेते है।
- आत्मिक नव जीवन के पल से ही पवित्र आत्मा नव विश्वासी में अन्तर्वास करने लगता है और उसे सामर्थ देता है कि वह आत्मिक फल उत्पन्न करे।
- मनुष्य को नवजीवन प्रदान करना और परमेश्वर की सन्तान बनाना परमेश्वर ही का काम है।

अनुवाद के सुझाव:

- "नया जन्म" के अनुवाद के अन्य रूप हैं, "नवजीवन पाना" या "आत्मिक जन्म होना"
- उचित होगा कि इसका शब्दशः अनुवाद किया जाए और लक्षित भाषा में सामान्य शब्दों का उपयोग करें जिसका अर्थ जन्म लेना हो।
- "नए जन्म" का अनुवाद "आत्मिक जन्म" किया जा सकता है।
- "परमेश्वर से जन्मा" का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर द्वारा नवजात शिशु जैसा नया जन्म पाना" या "परमेश्वर के द्वारा नया जीवन दिया जाना"।
- इसी प्रकार "आत्मा से जन्मा" का अनुवाद हो सकता है, "पवित्र आत्मा द्वारा नया जीवन दिया जाना" या "परमेश्वर की सन्तान होने के लिए पवित्र आत्मा द्वारा सामर्थ्य दिया जाना" या "पवित्र आत्मा द्वारा नवजात शिशु जैसा नया जीवन दिया जाना"

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, उद्धार)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूह. 3:9
- 1 पतरस 1:3
- 1 पतरस 1:23
- यूह. 3:4
- यूह. 3:7
- तीतुस 3:5

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G313, G509, G1080, G3824

नप्ताली

तथ्य:

नप्ताली याकूब का छठवां पुत्र था। उसके वंशज नप्ताली के गोत्र कहलाए जो इस्राएल के 12 गोत्रों में से एक था।

- कभी-कभी नाम नप्ताली उनके निवास स्थान के लिए भी काम में लिया गया है। (देखें: उपलक्षण)
- नप्ताली का भूभाग इस्राएल के उत्तर में था, दान और आशेर के साथ। इसकी पूर्वी सीमा किन्नेरेत सागर के पश्चिमी किनारे पर थी।
- इस गोत्र की चर्चा पुराने नियम और नये नियम दोनों में की गई है।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: आशेर, दान, याकूब, गलील सागर, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 04:15–17
- व्यवस्थाविवरण 27:13–14
- यहेजकेल 48:1–3
- उत्पत्ति 30:7–8
- न्यायियों 01:33
- मत्ती 04:12–13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5321, G3508

नबूकदनेस्सर

तथ्य:

नबूकदनेस्सर बेबीलोन साम्राज्य का राजा था जिसकी शक्तिशाली सेना ने अनेक जातियों और देशों को जीता था।

- नबूकदनेस्सर की अगुआई में बेबीलोन की सेना ने यहूदा राज्य को जीत कर अधिकांश यहूदियों को बन्दी बनाया और बेबीलोन ले गए। बंदियों को 70 साल की अवधि के लिए वहां रहने के लिए मजबूर किया गया था जिसे "बेबीलोन का निर्वासन" कहा जाता था।

इन बन्धुआ लोगों में एक था दानिय्येल, जिसने नबूकदनेस्सर के स्वप्नों का अर्थ बताया था।

- इस्राएली बन्धुआ लोगों में तीन पुरुष और भी थे, हनन्याह, मीशाएल और अजर्याह, जिनको नबूकदनेस्सर ने आग में डलवाया था क्योंकि उन्होंने उसकी सोने की विशाल मूरत को दण्डवत् करने से इन्कार कर दिया था।
- राजा नबूकदनेस्सर अभिमानी था और देवताओं की पूजा करता था। यहूदा को जीतने पर उसने यरूशलेम के मन्दिर में से सोने चांदी के पात्र लूट लिए थे।
- नबूकदनेस्सर घमण्डी था और झूठे देवताओं की पूजा से विमुख नहीं होता था इसलिए परमेश्वर ने उसे सात वर्ष तक निराश्रय रख कर पशु के समान जीवन दिया था। सात वर्ष बाद जब वह नम्र बना और एकमात्र सच्चे परमेश्वर यहोवा की स्तुति की तब परमेश्वर ने उसको पुनः स्थापित किया।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अभिमानी, अजर्याह, बाबेल, हनन्याह, मीशाएल)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 06:15
- 2 राजा 25:1–3
- दानिय्येल 01:02
- दानिय्येल 04:04
- यहेजकेल 26:08

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **20:06** अश्शूरों द्वारा इस्राएल राज्य को नष्ट करने के लगभग सौ वर्षों बाद, परमेश्वर ने बेबीलोन के राजा **नबूकदनेस्सर** को भेजा, यहूदा पर आक्रमण करे |
- **20:06** बेबीलोन एक शक्तिशाली साम्राज्य था। यहूदा का राजा, **नबूकदनेस्सर** का सेवक बनकर उसे हर वर्ष बहुत सा धन देने के लिए राज़ी हो गया |
- **20:08** विद्रोह करने के लिए यहूदा के राजा को दंडित किया गया और **नबूकदनेस्सर** के सैनिकों ने उसके पुत्र को उसी के सामने मार डाला और उसके बाद उसे नेत्रहीन बना दिया |
- **20:09** **नबूकदनेस्सर** और उसके सैनिक लगभग सभी यहूदियों को बंदी बनाकर बेबीलोन ले गए, वहाँ पर केवल कंगालों को छोड़ दिया गया कि वे वहा खेती करें|

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5019, H5020

नम्र

परिभाषा:

"नम्र" शब्द उस मनुष्य को दर्शाता है जो विनम्र, आज्ञाकारी और अन्याय का सहनेवाला है। नम्रता दीनता की क्षमता है जब कठोरता और बल प्रयोग किया जाए।

- नम्रता प्रायः दीनता के साथ जुड़ी रहती है।
- इस शब्द का अनुवाद "उदार" या "विनीत" या "मृदुस्वभाव" किया जा सकता है।
- "नम्रता" का अनुवाद "सौम्यता" या "विनम्रता" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: दीन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 पतरस 3:15–17
- 2 कुरिन्थियों 10:1–2
- 2 तीमुथियुस 2:25
- मत्ती 5:5
- मत्ती 11:29
- भजन संहिता 37:11

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H6035, H6037, G4235, G4236, G4239, G4240

नया चाँद

परिभाषा:

"नया चाँद" शब्द का सन्दर्भ चाँद की उस स्थिति से है जब वह अर्धचंद्र-आकार सा प्रकाश की चमक प्रकट करता। यह सूर्यास्त से आरम्भ होकर पृथ्वी की परिक्रमा में चाँद की प्रथम कला है। इसका सन्दर्भ कुछ दिन की अंधेरी रात के बाद चाँद के प्रकट होने के पहले दिन से है।

- प्राचीन युग में नया चांद निश्चित समयों के आरंभ का द्योतक था, जैसे महीनों के आरंभ का।
- इस्राएली नये चांद का पर्व मनाते थे जिसकी पहचान नरसिंगा फूंकने से होती थी।
- बाइबल में इस समय को "महीने का आरंभ" माना गया है।

(यह भी देखें: महीने, पृथ्वी, पर्व, सींग, भेड़)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 23:31
- 1 शमूएल 20:5
- 2 राजा 4:23–24
- यहेजकेल 45:16–17
- यशायाह 1:12–13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2320, G3376, G3561

नरक

परिभाषा:

नरक अनन्त पीड़ा और कष्टों का वह अन्तिम स्थान है जहां परमेश्वर उसके सब द्रोहियों को और यीशु के बलिदान के द्वारा उनके उद्धार की योजना का तिरस्कार करनेवालों को दण्ड देगा। इसे "आग की झील" भी कहा गया है।

- नरक को आग और घोर पीड़ा का स्थान कहा गया है।
- शैतान और उसके साथ की दुष्टात्माएं अनन्त दण्ड के लिए नरक में डाली जाएंगी।
- जो लोग उनके पापों के लिए यीशु के बलिदान में विश्वास नहीं करते और उद्धार के लिए उसमें विश्वास नहीं करते उन्हें भी सदा के दण्ड के लिए नरक में डाला जाएगा।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- इन शब्दों का अनुवाद संभवतः अलग-अलग शब्दों द्वारा किया जाए क्योंकि वे अलग-अलग प्रकरणों में आते हैं।
- कुछ भाषाओं में “आग की झील” का "झील" शब्द काम में नहीं लिया जा सकता क्योंकि उस भाषा में झील का अर्थ पानी की झील है।
- “नरक” शब्द का अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, “पीड़ा का स्थान” या “अन्धकार और पीड़ा का अन्तिम स्थान”
- “आग की झील” का अनुवाद “आग का समुद्र” या “(कष्टों की) विशाल अग्नि” या “आग का क्षेत्र” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: स्वर्ग, मृत्यु, अधोलोक, अथाह कुण्ड)

बाइबल सन्दर्भ:

- याकूब 3:6
- लूका 12:5
- मरकुस 9:42–44
- मत्ती 5:21–22
- मत्ती 5:29
- मत्ती 10:28–31
- मत्ती 23:33
- मत्ती 25:41–43
- प्रकाशितवाक्य 20:15

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **50:14** वह (परमेश्वर) उन्हें **नरक** में डालेगा, जहाँ वे वेदना में सदा रोएँगे और दाँत पीसेंगे। वह आग जो कभी नही बुझती उन्हें हमेशा जलाती रहेगी और कीड़े उन्हें हमेशा खाते रहेंगे।
- **50:15** वह शैतान को **नरक** में डाल देगा जहाँ वह उन लोगों के साथ हमेशा जलता रहेगा, जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञा मानने की बजाय उसकी बात मानने का चुनाव किया।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H7585, G00860, G04390, G04400, G10670, G30410, G44420, G44430, G44470, G44480, G50200, G53940, G54570

नरकट

तथ्य:

“नरकट” पानी में उगनेवाली एक लम्बी डंडी की घास होती है। जो प्रायः नदी या झरने के तट पर पाई जाती है।

- नील नदी के तट पर उगनेवाले नरकट जिनमें शिशु मूसा को छिपाया गया था, उन्हें "कांसे" भी कहा गया है। वह नदी के पानी में घने उगते थे। इनके डंडे लम्बे और खोखले होते थे।
- प्राचीन मिस्र में इस घास से कागज, टोकरियां और छोटी नावें बनाई जाती थी।
- नरकट के डंडे नरम होने के कारण हवा में झुक जाते थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: मिस्र, मूसा, नील नदी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 14:15
- लूका 7:24
- मत्ती 11:7
- मत्ती 12:20
- भजन संहिता 68:30

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0098, H0100, H0260, H5488, H6169, H7070, G25630

नष्ट करना

परिभाषा:

"नष्ट करना" अर्थात लूटना, विनाश करना, या निकम्मा कर देना। "खण्डहर" या "खण्डहरों" नष्ट किए गए मलबे या नष्ट किए गए अवशेषों के सन्दर्भ में हैं।

- भविष्यद्वक्ता सपन्याह ने परमेश्वर के प्रकोप के दिन को "विनाश का दिन" कहा था, जब संसार का न्याय किया जाएगा और दण्ड दिया जाएगा।
- नीतिवचन की पुस्तक में लिखा है कि अभक्तों का प्रत्याशित प्रतिफल विनाश एवं मृत्यु है।
- प्रकरण के अनुसार, "नष्ट करना" का अनुवाद "ध्वंस करना" या "खण्डहर कर देना" या "निकम्मा कर देना" या "तोड़ देना" किया जा सकता है।
- "खण्डहर" या "खण्डहरों" का अनुवाद प्रकरण के अनुसार "मलबा" या "ध्वंस ईमारतें" या "नष्ट किया गया नगर" या "विनाश" या "तोड़फोड़" या "सर्वनाश" हो सकता है।

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 12:7–8
- 2 राजा 19:25–26
- प्रे.का. 15:16
- यशायाह 23:13–14

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0006, H1197, H1530, H1820, H1942, H2034, H2040, H2717, H2719, H2720, H2723, H2930, H3510, H3765, H3782, H3832, H4072, H4288, H4384, H4654, H4876, H4889, H5221, H5327, H5557, H5754, H5856, H7451, H7489, H7582, H7591, H7612, H7701, H7703, H7843, H8047, H8074, H8077, H8414, H8510, G26790, G26920, G36390, G44850

नहूम

तथ्य:

नहूम एक भविष्यद्वक्ता था जो प्रचार करता था उस समय में जब दुष्ट राजा मनश्शे यहूदा पर राज करता था।

- नहूम यरूशलेम से 20 मील दूर एल्कोश नामक एक नगर का निवासी था।
- पुराने नियम में नहूम की पुस्तक में अश्शूरों के नगर नीनवे की विनाश की भविष्यद्वाणियां हैं।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अश्शूर, मनश्शे, भविष्यद्वक्ता, नीनवे)

बाइबल सन्दर्भ:

- नहूम 01:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5151, G3486

नहेम्याह

तथ्य:

नहेम्याह एक इस्राएली था जिसे विवश होकर बेबीलोन साम्राज्य में आना पड़ा जब इस्राएलियों और यहूदियों को बेबीलोन की सेना ने बन्दी बना कर ले गई थी।

- वह फरसी राजा, अर्तक्षत्र का पिलानेहारा था, उसने यरूशलेम लौट जाने के लिए राजा से अनुमति मांगी थी।
- नहेम्याह ने यरूशलेम की शहरपनाह का पुनः निर्माण करने में इस्राएलियों की अगुवाई की थी क्योंकिबेबीलोन के सैनिकों ने उस शहरपनाह को ढा दिया था।
- राजा के महल में लौट आने से पूर्व बारह वर्ष तक नहेम्याह यरूशलेम का अधिपति था।
- पुराने नियम में नहेम्याह की पुस्तक में नहेम्याह द्वारा शहरपनाह के पुनः निर्माण कार्य तथा यरूशलेम के लोगों पर प्रशासन का वर्णन किया गया है।
- पुराने नियम में नहेम्याह नामक अन्य पुरुष भी हैं। यदि किसी नहेम्याह की चर्चा की जाती है तो स्पष्टीकरण हेतु उसके पिता का नाम जोड़ा जाता है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अर्तक्षत्र, बाबेल, यरूशलेम, पुत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- एज्रा 2:1–2
- नहेम्याह 1:2
- नहेम्याह 10:3
- नहेम्याह 12:46

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5166

नागरिक

परिभाषा:

नागरिक उस मनुष्य को कहते हैं जो किसी नगर, देश या राज्य में रहता है। अर्थात जो उस स्थान का अधिकृत निवासी माना जाता है।

- सन्दर्भ के अनुसार, इसका अनुवाद, “निवासियों” या “आधिकारिक निवासी” भी किया जा सकता है।
- निवासी एक क्षेत्र में रहता है जो किसी राज्य का एक भाग हो सकता है जिस पर राजा या सम्राट या शासक राज करता है। उदाहरणार्थ, पौलुस रोमी नागरिक था, रोम के अनेक प्रान्त थे, पौलुस इनमें से एक प्रान्त में रहता था।
- प्रतीकात्मक रूप में यीशु के विश्वासी स्वर्ग के नागरिक कहलाते हैं, अर्थात वे एक दिन वहां होंगे। किसी देश के नागरिकों के समान विश्वासी परमेश्वर के राज्य के नागरिक हैं।

(देखें: राज्य, पौलुस, प्रान्त, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 21:39–40
- यशायाह 03:1–3
- लूका 15:15–16
- लूका 19:13–15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H6440, G4175, G41770, G48470

नाज़ीर

तथ्य:

"नाज़ीर" वह मनुष्य था जो नाज़ीर होने की शपथ लेता था। अधिकतर पुरुष यह शपथ लेते थे परन्तु स्त्रियां भी इस शपथ को लेती थी।

- नाज़ीर मनुष्य निश्चित दिनों सप्ताहों या महीनों तक अंगूर का या अंगूर के रस का कोई व्यंजन या मदिरा या रस नहीं खाता-पीता था। इस अवधि के दौरान वह अपने बाल काट नहीं सकते और मृत शरीर के पास नहीं जा सकते थे।

जब समय पूरा हो जाता था और शपथ पूरी हो जाती थी तब नाज़ीर याजक के पास जाकर बलि चढ़ाता था। इसमें उसके बालों को काटकर जलाया जाता था। और अन्य सब वर्जित बातों का अन्त हो जाता था।

- शमशोन बाइबल में एक प्रसिद्ध व्यक्ति है जो नाज़ीर था।
- यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले को जन्म की भविष्यवाणी करते समय स्वर्गदूत ने जकर्याह से कहा था कि उसका यह पुत्र मदिरा पान नहीं करेगा, जिसका अर्थ है कि वह एक नाज़ीर था।
- प्रेरित पौलुस ने भी एक समय यह शपथ ली थी जो प्रेरितों के काम की पुस्तक के एक अंश से प्रकट है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), बलि, शिमशोन, शपथ, जकर्याह (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 18:18–19
- आमोस 02:11–12
- न्यायियों 13:3–5
- गिनती 06:1–4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5139

नातान

तथ्य:

नातान परमेश्वर का एक विश्वासयोग्य भविष्यद्वक्ता था, और दाऊद के राज्यकाल में सेवा कर रहा था।

- उरिय्याह के विरुद्ध दाऊद के गंभीर पाप का पर्दाफाश करने के लिए परमेश्वर ने नातान को भेजा था।
- नातान ने दाऊद को झिड़का था, यद्यपि दाऊद राजा था।
- नातान के आगमन के बाद दाऊद ने अपने पाप का प्रायश्चित किया।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: दाऊद, विश्वासयोग्य, भविष्यद्वक्ता, ऊरिय्याह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 17:1–2
- 2 इतिहास 9:29
- 2 शमूएल 12:1–3
- भजन संहिता 51:1

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- _17:7_परन्तु परमेश्वर ने **नातान** भविष्यद्वक्ता के द्वारा दाऊद को संदेश भेजा, "क्योंकि तू एक योद्धा है, तू मेरे लिए वह भवन नहीं बनाएगा।
- **17:13** दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़का, परमेश्वर ने **नातान** भविष्यद्वक्ता द्वारा दाऊद को कहलवा भेजा कि उसका पाप कितना बुरा है।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5416, G34810

नाम लिखाई

परिभाषा:

"नाम लिखाई (जनगणना)" किसी देश या साम्राज्य में नागरिकों की औपचारिक गणना करना।

- पुराने नियम के अभिलेखों में उन समयों का उल्लेख किया गया है जब परमेश्वर ने इस्राएल के पुरूषों की गिनती करने का आदेश दिया था जैसे जब इस्राएलियों ने मिस्र से पलायन किया था और दूसरी बार जब वे कनान में प्रवेश करने पर थे।
- जनगणना का उद्देश्य प्रायः यह होता था कि कर भुगतान करने के लिए मनुष्यों की संख्या ज्ञात हो।
- उदाहरणार्थ, निर्गमन की पुस्तक में एक बार पुरुषों की गिनती की गई थी कि प्रत्येक पुरुष मन्दिर के रखरखाव के लिए आधा शेकेल कर दे।
- जब यीशु शिशु ही था तब रोमी प्रशासन ने जनगणना करवाई थी कि अपने संपूर्ण साम्राज्य की जनसंख्या ज्ञात करके कर अनिवार्य किया जाए।

अनुवाद के सुझाव

- इस उक्ति का संभावित अनुवाद हो सकता है, "नाम गिनना" या "नामों की सूचि" या "पंजीकरण"।
- "नाम लिखाई करवाना" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "जनता के नाम पंजीकृत करना" या "मनुष्यों का पंजीकरण करना" या "मनुष्यों के नाम लिखकर रखना"।

(यह भी देखें: जाति, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 05:35–37
- निर्गमन 30:11–14
- निर्गमन 38:24–26
- लूका 02:1–3
- गिनती 04:1–4

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3789, H5674, H5921, H6485, H7218, G582, G583

नामधराई

परिभाषा:

"लज्जा" शब्द नीचा दिखलाना या अपमानित होने की दर्दनाक भावना को संदर्भित करता है जो एक व्यक्ति को लगता है जब वे कुछ ऐसा करते हैं जो दूसरों को अपमानपूर्ण या अनुचित मानते हैं।

- कुछ ऐसा काम जो “लज्जाजनक बात” अर्थात “अनुचित” या “अपमानजनक” हो।
- “लज्जित” शब्द का अर्थ है किसी लज्जाजनक या अनुचित कार्य को करने पर मनुष्य के मन में उत्पन्न भावना है।
- शब्द "अपमानित" का अर्थ है किसी को शर्मिंदा या अपमानित महसूस कराना, आमतौर पर सार्वजनिक रूप से। किसी को शर्मसार करने के कार्य को "अपमान" कहा जाता है।
- “लज्जित करना” अर्थात किसी को हरा देना या उसके पापों को प्रकट करना कि उसे अपने पर लज्जा आए।
- किसी की "निंदा करना" का अर्थ है कि उस व्यक्ति के चरित्र या व्यवहार की आलोचना या अस्वीकृति है।
- वाक्यांश "शर्मिंदा किया" का अर्थ है लोगों को हराना या उनके कार्यों को उजागर करना ताकि वे खुद को शर्मिंदा महसूस करें। भविष्यद्वक्ता यशायाह यह कहता है कि जो मूर्तियां बनाते हैं और मूर्तिपूजा करते हैं वे लज्जित किए जाएंगे।
- "लज्जाजनक" शब्द का इस्तेमाल किसी पापी कृत्य या उसे करने वाले व्यक्ति का वर्णन करने के लिए किया जा सकता है। जब कोई व्यक्ति कुछ पाप करता है, तो यह उसके अपमान या अपमान की स्थिति में हो सकता है।
- कभी-कभी अच्छा काम करने वाले व्यक्ति के साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है जिससे उसे अपमान या लज्जा का कारण बनता है। उदाहरण के लिए, जब यीशु को एक क्रूस पर मार दिया गया था, तो यह मरने का एक अपमानजनक तरीका था। यीशु ने इस अपमान के लायक कुछ भी गलत नहीं किया था।

नामधराई

- जब परमेश्वर किसी को नम्र करता है, तो इसका मतलब है कि वह एक घमंडी व्यक्ति को असफलता का अनुभव करा रहा है, जिससे वह उसके घमंड को दूर करने में मदद कर सके। यह किसी को अपमानित करने से अलग है, जो अक्सर उस व्यक्ति को चोट पहुंचाने के लिए किया जाता है।
- यह कहना कि यह व्यक्ति "तिरस्कार के ऊपर" या "तिरस्कार से परे" या "तिरस्कार के बिना" है, जिसका अर्थ है कि यह व्यक्ति परमेश्वर का सम्मान अपने व्यवहार से करता है और उसकी आलोचना में बहुत कम या कुछ भी नहीं कहा जा सकता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "अपमान" का अनुवाद करने के तरीके में "लज्जा" या "अनादर" शामिल हो सकता है।
- "अपमानजनक" का अनुवाद करने के तरीके में "लज्जाजनक" या "अनादर करना" शामिल हो सकता है।
- "अपमानित" करने के लिए भी "लज्जा" या "शर्म महसूस करने का कारण" या "शर्मिंदा" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर, "निरादर" का अनुवाद करने के तरीके में "लज्जा" या "अपमानजनक" या "अपमान" शामिल हो सकता है।
- "निन्दा करना" शब्द का अनुवाद "दोषारोपण" या "लज्जा" या "अपमान" के रूप में भी किया जा सकता है।
- संदर्भ के आधार पर "निन्दा करना" का अनुवाद "डाँटना" या "आरोप लगाना" या "आलोचना करना" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: अनादर, दोष लगाना, डांटना, झूठे ईश्वर, दीन, यशायाह, आराधना)

बाइबल संदर्भ:

- 1 पतरस 03:15–17
- 2 राजा. 02:17
- 2 शमूएल 13:13
- लूका 20:11
- मरकुस 08:38
- मरकुस 12:4–5
- 1 तीमुथियुस 03:07
- उत्पत्ति 34:07
- इब्रानियों 11:26
- विलापगीत 02:1–2
- भजन संहिता 022:06
- व्यवस्थाविवरण 21:14
- एज्रा 09:05
- नीतिवचन 25:7–8
- भजन संहिता 006:8–10
- भजन संहिता 123:03
- 1 तीमुथियुस 05:7–8
- 1 तीमुथियुस 06:13–14
- यिर्मयाह 15:15–16
- अय्यूब 16:9–10
- नीतिवचन 18:03

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स : H937, H954, H955, H1317, H1322, H1421, H1442, H1984, H2490, H2616, H2617, H2659, H2778, H2781, H2865, H3001, H3637, H3639, H3640, H3971, H5007, H5034, H5039, H6030, H6031, H6172, H6256, H7022, H7034, H7036, H7043, H7511, H7817, H8103, H8213, H8216, H8217, H8589, G149, G152, G153, G410, G422, G423, G808, G818, G819, G821, G1788, G1791, G1870, G2617, G3059, G3679, G3680, G3681, G3856, G5014, G5195, G5196, G5484

नामान

तथ्य:

पुराने नियम में, नामान अरामी सेना का सेनापति था।

- नामान को एक असाध्य त्वचा रोग, कोढ़ था जो ठीक नहीं हो सकता था।
- नामान के घर में एक यहूदी दासी थी जिसने उसे सुझाव दिया कि वह रोग-मुक्ति के लिए भविष्यद्वक्ता एलीशा के पास जाकर निवेदन करे।
- एलीशा ने नामान के पास सन्देश भेज दिया कि वह सात बार यरदन नदी में डुबकी लगाए। नामान ने आज्ञा का पालन किया तो परमेश्वर ने उसे संपूर्ण चंगाई दे दी।
- इसका परिणाम यह हुआ कि नामान एकमात्र सच्चे परमेश्वर, यहोवा में विश्वास करने लगा।
- नामान नाम के दो और पुरुष भी हुए है जो याकूब के पुत्र बिन्यामीन के वंशज थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अराम, यरदन नदी, कोढ़, भविष्यद्वक्ता)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 8:6–7
- 2 राजा 5:1
- लूका 4:27

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **19:14** जिनमे से एक चमत्कार **नामान** नामक व्यक्ति के जीवन में हुआ, वह शत्रुओं का सेनापति था और कोढ़ी था |
- **19:15** पहले तो **नामान** क्रोधित हुआ, और वह ऐसा नहीं करना चाहता था, क्योंकि उसे यह मूर्खता पूर्ण कार्य लग रहा था | परन्तु शीघ्र ही उसने अपना विचार बदल लिया और यरदन को जाकर उसमे सात बार डुबकी मारी |
- **26:6** लेकिन एलीशा ने उनमें से किसी को भी ठीक नहीं किया, उसने केवल इस्राएल के दुश्मनों के एक सेनापति, **नामान** के त्वचा रोग को चंगा किया।"

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5283, G34970

नाश करना

परिभाषा:

"नष्ट करना," इस उक्ति का अर्थ है, किसी वास्तु को पूर्णतः ध्वंस कर देना कि उसका अस्तित्व ही मिट जाए। "नाश करनेवाला" अर्थात "विनाश ढाने वाला मनुष्य"।

- पुराने नियम में इस शब्द का उपयोग प्रायः मनुष्यों का नाश करनेवालों के लिए काम में लिया गया है, जैसे आक्रमण करने वाली सेना।
- जब परमेश्वर ने मिस्र के एक पहिलौठों को मार डालने के लिए स्वर्गदूत भेजा था तब उस स्वर्गदूत को "पहिलौठे का नाश करनेवाला कहा गया है" इसका अनुवाद हो सकता है, "वह स्वर्गदूत जिसने पहिलौठे पुत्रों का नाश किया"।
- प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में अन्त समय के संबन्ध में शैतान या किसी दुष्टात्मा को "नाश करनेवाला" कहा गया है। वही "नाश करने वाला" है क्योंकि उसका उद्देश्य परमेश्वर द्वारा सृजित सब वस्तुओं का नाश करना है।

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, मिस्र, पहिलौठा, फसह)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 12:23
- इब्रानियों 11:28
- यिर्मयाह 06:26
- न्यायियों 16:24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H6, H7, h622, H398, H1104, H1197, H1820, H1826, H1942,H2000, H2015, H2026, H2040, H2254, H2255, H2717, H2718, H2763, H2764, H3238, H3341, H3381, H3423, H3582, H3615, H3617, H3772, H3807,H4191, H4229, H4591, H4658, H4889, H5218, H5221, H5307, H5362, H5420,H5422, H5428, H5595, H5642, H6365, H6789, H6979, H7665, H7667, H7703, H7722, H7760, H7843, H7921, H8045, H8074, H8077, H8316, H8552, G355, G396, G622, G853, G1311, G1842, G2049, G2506, G2507, G2647, G2673, G2704, G3089, G3645, G4199, G5351, G5356

नाश किया

परिभाषा:

"काट दिया जाए" एक मुहावरा है जिसका अर्थ है, मूल समुदाय से अलग किया जाना, देश निकाला देना, या संबन्ध विच्छेद कर देना। इसका संदर्भ पाप के दण्ड के परमेश्वर के कार्य द्वारा घात किया जाना भी हो सकता है।

- पुराने नियम में परमेश्वर की आज्ञाएं नहीं मानने का परिणाम होता था काटा जाना या परमेश्वर की प्रजा या उसकी उपस्थिति से अलग कर दिया जाना।
- परमेश्वर ने यह भी कहा था कि वह अन्य जातियों को "नाश किया" या नष्ट कर देगा क्योंकि वे उसकी उपासना नहीं करते थे न ही उसकी आज्ञा का पालन करते थे वरन् वे इस्राएल के शत्रु थे।
- "रोक दिया" परमेश्वर द्वारा नदी के प्रवाह को रोकने के संदर्भ में भी काम में लिया गया है।

अनुवाद के सुझाव:

- "काट दिया जाए" का अनुवाद हो सकता है, "देश से निकाल दिया जाए", या "दूर भेज दिया जाए" या "विच्छेदित कर दिया जाए" या "मार डाला जाए" या "नष्ट कर दिया जाए"।
- प्रकरण के अनुसार "काट देना" का अनुवाद किया जा सकता है, "नष्ट करना" या "दूर कर देना" या "विच्छेदित करना" या "नाश करना"।
- प्रवाहित जल काट देने का अनुवाद हो सकता है, "रोक देना" या "जल प्रवाह रोक देना" या "जल विभाजित कर देना"।
- चाकू द्वारा किसी वस्तु को काटने का अर्थ इस शब्द के प्रतीकात्मक अनुवादों से सर्वथा भिन्न होना है।

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 17:14
- न्यायियों 21:6
- नीतिवचन 23:18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1214, H1219, H1438, H1494, H1504, H1629, H1820, H2686, H3582, H3772, H5243, H5352, H6789, H7082, H7088, H7096, H7112, H7113, G609, G851, G1581

नाश होगा

परिभाषा:

"उजाड़ दिया" या "उजाड़" अर्थात किसी सम्पदा या भूमि का सर्वनाश कर देना। इसके अर्थ में उस देश के निवासियों को उजाड़ देना और बन्दी बनाना भी है।

- इसका संदर्भ घोर एवं पूर्ण विनाश से है।
- उदाहरणार्थ सदोम नगर के निवासियों के पाप के दण्ड में परमेश्वर ने उस नगर को नष्ट कर दिया था।
- "उजड़ने" का अभिप्राय दण्ड या विनाश के कारण महान भावनात्मक विशाद से भी है।

अनुवाद के सुझाव

- "उजड़ना" का अनुवाद "सर्वनाश" या "पूर्णतः नष्ट भ्रष्ट कर देना" हो सकता है।
- प्रकरण के अनुसार, "उजाड़" का अनुवाद "सर्वनाश" या "नष्ट भ्रष्ट होना" या "विशादग्रस्त होना" या "आपदाग्रस्त होना" हो सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 08:24–25
- यिर्मयाह 04:13–15
- गिनती 21:29–30
- सपन्याह 01:12–13

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1110, H1238, H2721, H1826, H3615, H3772, H7701, H7703, H7722, H7843, H8074, H8077

नाश होना

परिभाषा:

"नाश होना" का अर्थ है मरना या नष्ट हो जाना, प्रायः हिंसा के द्वारा या आपदा के द्वारा। नए नियम में, यह प्रायः मनुष्यों के भटक जाने के लिए आत्मिक अर्थ में प्रयोग किया जाता है या परमेश्वर के लोगों से अलग हो जाने के लिए काम में लिया जाता है।

"नाश होने" का आत्मिक अभिप्राय

- “नाश होने वाले” मनुष्य वे है जिन्होंने अपने उद्धार के लिए यीशु में विश्वास करने से इन्कार किया है।
- जो "नाश" हो चुके हैं, वे स्वर्ग में परमेश्वर के साथ अनंत काल तक नहीं रहेंगे। इसकी अपेक्षा, उनके लिए परमेश्वरका दंड है कि वे अनंत काल तक नरक में जीवित रहें।
- शारीरिक से तो हर एक जन मरेगा परन्तु वे जो अपने उद्धार के लिए यीशु में विश्वास नहीं करते हैं, उनका अनंत नाश हो जाएगा।
- जब "नाश होना" आत्मिक परिप्रेक्ष्य में उपयोग किया जाता है, तो सुनिश्चित करें कि आपका अनुवाद शारीरिक मृत्यु से सर्वथा भिन्न प्रकट करे।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण पर आधारित इसके अनुवाद हो सकते हैं, "परमेश्वर के लोगों में से बहिष्कृत हो जाना" “अनन्त मृत्यु” या “नरक का दण्ड भोगना” या “नष्ट होना”।
- ऐसा शब्द या अभिव्यक्ति काम में लें जिसका अर्थ केवल "शारीरिक मृत्यु" या "अस्तित्व का अंत" ही नहीं हो|

(यह भी देखें: मृत्यु, अनन्त)

बाइबल संदर्भ:

- 1 पतरस 1:23
- 2 कुरिन्थियों 2:16–17
- 2 थिस्सलुनीकियों 2:10
- यिर्मयाह 18:18
- भजन संहिता 49:18–20
- जकर्याह 9:5–7
- जकर्याह 13:8

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0006, H0007, H0008, H1478, H1820, H1826, H5486, H5595, H6544, H8045, G0599, G0622, G0684, G0853, G1311, G2704, G4881, G5356

नासरत

तथ्य:

नासरत उत्तरी इस्राएल के गलील क्षेत्र में एक नगर है। * वह यरूशलेम के उत्तर में लगभग 100 किलोमीटर दूर है। इसकी पद-यात्रा में तीन से पांच दिन लगते हैं।

- यूसुफ और मरियम नासरतवासी थे और यीशु का पालन-पोषण वहीं हुआ था। यही कारण है कि यीशु को “नासरी” कहते थे।
- नासरत के अनेक यहूदी यीशु की शिक्षाओं को स्वीकार नहीं करते थे क्योंकि वह उनके साथ पला-बड़ा था इसलिए वे उसे एक साधारण मनुष्य मानते थे।
- एक बार यीशु नासरत के आराधनालय में शिक्षा दे रहा था तब वहां के यहूदियों ने उसे मार डालना चाहा क्योंकि उसने मसीह होने का दावा किया और उनके द्वारा उसके परित्याग के लिए उन्हें झिड़का था।
- जब नतनएल ने सुना कि यीशु नासरत से है तब उसकी टिप्पणी से प्रकट होता है कि उस नगर की प्रतिष्ठा नहीं थी।

(यह भी देखें: मसीह, गलील, यूसुफ (नया नियम), मरियम)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 26:9–11
- यूहन्ना 1:43–45
- लूका 1:26–29
- मरकुस 16:5–7
- मत्ती 2:23
- मत्ती 21:9–11
- मत्ती 26:71–72

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **23:4** अत: यूसुफ और मरियम भी एक लम्बी यात्रा तय करके **नासरत** को गए, क्योंकि यूसुफ दाऊद के घराने और वंश का था, गलील के नासरत नगर से यहूदिया में दाऊद के नगर बैतलहम को गया।
- **26:2** यीशु **नासरत** शहर के पास गया, जहाँ उसने अपना बचपन बिताया था।
- **26:7** **नासरत** के लोगों ने आराधना के स्थान से यीशु को बाहर घसीटा और उसे मारने की मनशा से चट्टान के किनारे ले आए, कि उसे वहाँ से नीचे गिरा दें और वह मर जाए|

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G34780, G34790, G34800

नाहोर

तथ्य:

नाहोर अब्राहम के दो परिजनों का नाम था, उसका दादा और उसका भाई।

- अब्राहम का भाई नाहोर इसहाक की पत्नी रिबका का दादा था।
- "नाहोर नगर" अर्थात "नाहोर नामक नगर" या "वह नगर जहां नाहोर रहता था" या "नाहोर का नगर"

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अब्राहम, रिबका)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 01:24–27
- उत्पत्ति 31:51–53
- यहोशू 24:1–2
- लूका 03:33–35

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5152, G34930

निंदा

परिभाषा:

बाइबल में "निन्दा" शब्द का अर्थ है परमेश्वर या मनुष्य के प्रति घोर अपमान के शब्दों का प्रयोग करना| किसी की "निन्दा" करने का अर्थ है किसी के विरूद्ध ऐसी बातें कहना कि सुननेवाला उसके बारे में गलत या बुरा सोचें।

- परमेश्वर की निन्दा करने का अर्थ अधिकतर यह होता है कि परमेश्वर के बारे में असत्य बातें कह कर उस पर कलंक लगाना या उसका अपमान करना या अनैतिक व्यवहार करना जिससे परमेश्वर की प्रतिष्ठा गिरे।
- मनुष्य स्वयं को परमेश्वर कहे या दावा करे कि एकमात्र सच्चे परमेश्वर के अतिरिक्त भी कोई परमेश्वर है तो यह निंदा करना है|
- कुछ अंग्रेजी बाइबल संस्करणों में "कलंक" शब्द का उपयोग किया गाया है जब मनुष्यों के विरूद्ध कुछ कहा जाता है|

अनुवाद के सुझाव:

- "निन्दा" का अनुवाद किया जा सकता है, "किसी के विरूद्ध बुरी बातें कहना" या "परमेश्वर का अपमान करना" या "मानहानि करना"
- "निन्दा" के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "किसी के विरूद्ध झूठी बातें कहना" या "मानहानि करना" या "झूठी अफवाह उड़ाना"।

(यह भी देखें: निरादर, झूठा दोष लगाना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 1:12–14
- प्रे.का. 6:11
- प्रे.का. 26:9–11
- याकूब 02:5–7
- यूहन्ना 10:32–33
- लूका 12:10
- मरकुस 14:64
- मत्ती 12:31
- मत्ती 26:65
- भजन संहिता 74:10

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स : H1288, H1442, H2778, H5006, H5007, H5344, G09870, G09880, G09890

निन्दा

परिभाषा:

“ठट्ठा करना”, “निन्दा करना”, “उपहास करना,” इन सब उक्तियों का सन्दर्भ किसी का ठट्ठा करने से है और वह भी निर्दयता से करने से है।

- ठट्ठा करने में किसी को लज्जित करने या उसके प्रति घृणा प्रकट करने की मंशा से उसके शब्दों या अंग-विन्यास की नकल करना।
- रोमी सैनिकों ने यीशु का ठट्ठा किया था या उसकी निंदा की थी जब उसे राजा का वस्त्र पहना कर उसके साथ राजा का सा व्यवहार किया था।
- युवकों के एक दल ने एलीशा का भी ठट्ठा या उपहास किया था, जब उन्होंने उसके गंजे सिर को नाम देकर हंसी की थी।
- "ठट्ठा करना" का सन्दर्भ किसी ऐसे विचार का उपहास करना भी होता है जिसको विश्वास के योग्य या महत्त्वपूर्ण न समझा जाए।
- "ठट्ठा करनेवाला" वह मनुष्य है जो लगातार ठट्ठा करता और उपहास करता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 3:3
- प्रे.का. 2:12–13
- गलातियों 6:6–8
- उत्पत्ति 39:13–15
- लूका 22:63–65
- मरकुस 10:34
- मत्ती 9:23–24
- मत्ती 20:19
- मत्ती 27:29

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **21:12** यशायाह ने भविष्यवाणी की थी, कि लोग मसीह के ऊपर थूकेंगे, उसको **ठट्ठों में उड़ाएँगे**, और उसे मारेंगे।
- **39:05** यहूदी अगुवों ने महा याजक को उत्तर दिया, “यह मरने के योग्य है!” तब उन्होंने यीशु की आँखें ढांककर, उसके मुँह पर थूका और उसे मारा, और उसका **ठट्ठा उड़ाया**।

- **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और राजसी बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का **मज़ाक उड़ाया** देखो, “यहूदियों का राजा!”
- **40:4** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया | उनमें से एक ने यीशु का **ठट्ठा उड़ाया** परन्तु दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता?
- **40:5** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वे यीशु का **ठट्ठा करके** कहते थे,, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो क्रूस पर से उतर आ, और अपने आप को बचा | तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे |”

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1422, H2048, H2049, H2778, H2781, H3213, H3887, H3931, H3932, H3933, H3934, H3944, H3945, H4167, H4485, H4912, H5058, H5607, H6026, H6711, H7046, H7048, H7814, H7832, H8103, H8148, H8437, H8595, G1592, G1701, G1702, G1703, G2301, G2606, G3456, G5512

नियुक्त

परिभाषा:

नियुक्त करने का अर्थ है किसी विशेष कार्य या भूमिका हेतु किसी मनुष्य की औपचारिक नियुक्ति का कार्य। इसका संदर्भ औपचारिक रूप से नियम बनाना या आदेश देना भी हो सकता है।

- "अभिषेक" का संदर्भ प्रायः याजक, सेवक या रब्बी नियुक्त करने की औपचारिक प्रक्रिया से भी है।
- उदाहरणार्थ, परमेश्वर ने हारून और उसके वंशजों का अभिषेक याजक होने के लिए किया था।
- इसका अर्थ धार्मिक पर्व या वाचा के निर्धारण से भी हो सकता है।
- संदर्भ के अनुसार, “अभिषेक करना” का अनुवाद हो सकता है ”कार्य-भार सौंपना” या “नियुक्त करना” या “आज्ञा देना” या “नियम बनाना ” या “स्थापना करना”।

(यह भी देखें: आज्ञा, वाचा, आदेश, नियम, व्यवस्था, याजक)

बाइबल संदर्भ:

- 1 राजा 12:31–32
- 2 शमूएल 17:13–14
- निर्गमन 28:40–41
- गिनती 3:3
- भजन संहिता 111:7–9

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3245, H4390, H6186, H6213, H6680, H7760, H8239, G12990, G25250, G42700, G42820

नियुक्त करना

परिभाषा:

“नियुक्त करना” और “नियुक्त किया” अर्थात किसी को किसी विशेष कार्य को करने या भूमिका को निभाने के लिए चुनना।

- “नियुक्त होना” का संदर्भ “ठहराया हुआ” से भी होता है कि कुछ प्राप्त करे, जैसे “अनन्त जीवन के लिए ठहराया गया।” मनुष्य “अनन्त जीवन के लिए ठहराए गए” अर्थात वे अनन्त जीवन के लिए चुने गए थे.
- “नियुक्त समय” अर्थात किसी घटना के होने के लिए परमेश्वर का “चुना हुआ समय” या “योजनाबद्ध समय.”
- “ठहराए” शब्द का अर्थ “आज्ञा देना” या किसी को किसी काम के लिए "उत्तरदायित्व सौपना." भी हो सकता है।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “ठहराए” शब्द के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “चुनना” या “सौंपना” या “विधिवत चुन लेना” या “अधिकार देना."
- “नियुक्त किया” का अनुवाद हो सकता है, “सौंपा” या “योजनाबद्ध किया" या “विशेष रूप से चुना."
- “नियक्त किया जाए ” का अनुवाद “चुना हुआ हो ” हो सकता है.

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 8:11
- प्रे.का. 3:20
- प्रे.का. 6:02
- प्रे.का. 13:48
- उत्पत्ति 41: 33–34
- गिनती 3:9–10

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0561, H0977, H2163, H2296, H2706, H2708, H2710, H3198, H3245, H3259, H3677, H3983, H4150, H4151, H4152, H4483, H4487, H4662, H5324, H5344, H5414, H5567, H5975, H6310, H6485, H6565, H6635, H6680, H6923, H6942, H6966, H7760, H7896, G03220, G06060, G12990, G13030, G19350, G25250, G27490, G42870, G42960, G43840, G49290, G50210, G50870

नियुक्त करना

तथ्य:

"नियुक्त करना" या "नियुक्त किया" किसी को कोई विशेष काम करने के लिए नियुक्त करना या एक या अधिक लोगों को किसी कार्य को निर्दिष्ट करना

- भविष्यद्वक्ता शमूएल ने भविष्यद्वाणी की थी कि राजा शाऊल इस्राएल के सर्वोत्तम युवकों को सेना में नियुक्त करेगा।
- मूसा ने इस्राएल के प्रत्येक गोत्र को उनके निवास हेतु कनान देश की भूमि बांट दी थी।
- पुराने नियम की व्यवस्था के अनुसार कुछ गोत्रों को याजक की सेवा, हस्तकारों की सेवा, गीतकारों की सेवा और निर्माण करताओं की सेवा बांट दी गई थी।
- प्रकरण के अनुसार "नियुक्त करना" का अनुवाद "बांटना" या "काम देना" "कार्य के लिए चुनें" किया जा सकता है।
- "बांटना" का अनुवाद "नियुक्त करना" या "काम सौंपना" हो सकता है।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: नियुक्त करना, शमूएल, शाऊल (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 6:48
- दानिय्येल 12:13
- यिर्मयाह 43:11
- यहोशू 18:2
- गिनती 4:27–28
- भजन संहिता 78:55

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H2506, H3335, H4487, H4941, H5157, H5307, H5414, H5596, H5975, H6485, H7760, G33070

निरादर

परिभाषा:

"निरादर" का अर्थ है कि किसी की मानहानि का काम करना। इससे उस व्यक्ति के लिए लज्जा और अपयश का कारण उत्पन्न होता है।

- “निंदनीय” शब्द का अर्थ है, लज्जाजनक कार्य या किसी का अपमान करने का कार्य।
- कभी-कभी निरादर शब्द ऐसी वस्तुओं के लिए भी काम में लिया जाता है जो किसी महत्व की नहीं हैं।
- सन्तानों के लिए आज्ञा है कि वे अपने-अपने माता-पिता का आदर करें और उनकी आज्ञा मानें। बच्चे अवज्ञा करते हैं तो वे अपने माता-पिता का अनादर करते हैं। वे अपने माता-पिता के साथ ऐसा व्यवहार करते हैं जिससे उनको सम्मान प्राप्त नहीं होता है।
- मूर्तिपूजा और अनैतिक आचरण द्वारा इस्राएली यहोवा का अपमान करते थे।
- यहूदी यीशु को दुष्टात्माग्रस्त कहकर उसका अपमान करते थे।
- इसका अनुवाद हो सकता है, “सम्मान नहीं करना” या “सम्मानरहित व्यवहार करना।"
- “निरादर” संज्ञा शब्द का अनुवाद “अपमान” या “मानहानि” किया जा सकता है।
- प्रकरण के अनुसार “निरादर” का अनुवाद “आदर योग्य नहीं” या “लज्जाजनक” या "माननीय नहीं" या “महत्वहीन” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: निरादर, आदर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 4:10
- 1 शमूएल 20:34
- 2 कुरिन्थियों 6:8–10
- यहेजकेल 22:7
- यूहन्ना 08:48
- लैव्यव्यवस्था 18:8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1540, H2490, H2781, H3637, H3639, H5006, H5034, H6172, H6173, H7034, H7043, H7043, G818, G819, G820, G2617

निर्देश देना

तथ्य:

"निर्देश देना" और "आदेश" शब्दों के संदर्भ किसी काम को करने के स्पष्ट निर्देशनों से है।

- “निर्देश” देने से तात्पर्य किसी को निशित रूप से बताना कि उसे क्या करना आवश्यक है।
- जब यीशु ने अपने शिष्यों को रोटी और मछलियां दी कि लोगों में बांट दें तब उसने उन्हें विशेष निर्देश दिए कि कैसे करना है।
- प्रकरण के अनुसार “निर्देश” शब्द का अनुवाद “कहना” या “निर्देश देना” या “शिक्षा देना” या “आदेश देना” भी किया जा सकता है।
- “निर्देश” देने का अनुवाद “निर्देशन” या “समझाना” या “उसने जो कहा है उसे करना” किया जा सकता है।
- जब परमेश्वर निर्देश देता है तब उसका अनुवाद “आज्ञा” या “आदेश” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: आज्ञा, आदेश, शिक्षा/सिखाना)

बाइबल संदर्भ:

- निर्गमन 14:04
- उत्पत्ति 26:05
- इब्रानियों 11:22
- मत्ती 10:05
- मत्ती 11:1
- नीतिवचन 01:30

शब्द तथ्य:

- Strong’s: H241, H376, H559, H631, H1004, H1696, H1697, H3256, H3289, H3384, H4148, H4156, H4687, H4931, H4941, H6098, H6310, H6490, H6680, H7919, H8451, G1256, G1299, G1319, G1321, G1378, G1781, G1785, G2727, G2753, G3559, G3560, G3811, G3852, G3853, G4264, G4367, G4822

निर्दोष

निर्दोष

परिभाषा:

"निर्दोष शब्द" का शाब्दिक अर्थ है, "बिना किसी दोष के"। यह उस मनुष्य के संदर्भ में काम में लिया जाता है जो पूर्ण मन से परमेश्वर की आज्ञाएं मानता है परन्तु इसका अर्थ यह नहीं कि वह निष्पाप है।

- अब्राहम और नूह परमेश्वर की दृष्टि में निर्दोष थे।
- जिस मनुष्य को "निर्दोष" माना जाता है, वह परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है।
- एक बाइबल पद के अनुसार निर्दोष मनुष्य "परमेश्वर का भय मानता है और बुराई से दूर रहता है"।
- अनुवाद के सुझाव:
- इसका अनुवाद इस प्रकार भी हो सकता है "उसका चरित्र दोषरहित है" या पूर्वतः परमेश्वर का आज्ञाकारी है" या "पाप से दूर रहना" या "बुराई से दूर रहता है"

बाइबल संदर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 2:10
- 1 थिस्सलुनीकियों 3:11–13
- 2 पतरस 3:14
- कुलुस्सियों 1: 22
- उत्पत्ति 17: 1–2
- फिलिप्पियों 2:15
- फिलिप्पियों 3:6

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5352, H5355, H8535, G02730, G02740, G02980, G02990, G03380, G04100, G04230

निर्दोष

परिभाषा:

"निर्दोष" शब्द का अर्थ है, अपराध या अनुचित कार्य का दोषी न होना। इसका संदर्भ सामान्यतः उन मनुष्यों से है जो बुरे कामों में नहीं हैं।

- किसी मनुष्य पर अनुचित कार्य का दोष लगाया गया और उसने वह काम नहीं किया तो वह निर्दोष है।
- कभी-कभी "निर्दोष" शब्द का उपयोग उन मनुष्यों के लिए किया जाता है जो किसी बुरे काम को नहीं करने के उपरान्त भी दण्डित किए जाते हैं, जैसे शत्रु की सेना "निर्दोषों" पर आक्रमण करती है।
- बाइबिल में, "लहू" "हत्या" को दर्शाता है, "निर्दोष का लहू" इसका अनुवाद हो सकता है, "मनुष्य जिन्होंने कुछ भी अनुचित कार्य नहीं किया कि उन्हें मार डाला गया"

अनुवाद के सुझाव:

- अधिकांश प्रकरणों में "निर्दोष" शब्द का अनुवाद हो सकता है: "निरपराध" या "उत्तरदायी नहीं" या "दोषी नहीं"
- जब सामान्यतः निर्दोष मनुष्यों के संदर्भ में हो तो इसका अनुवाद होगा, "जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया" या "जो बुराई में सहभागी नहीं हैं"।
- "निर्दोष का लहू बहाना" इसका अनुवाद हो सकता है, "निर्दोषों की हत्या" उन लोगों की हत्या करना जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया"

(यह भी देखें: दोष)

निवासस्थान

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 04:3–4
- 1 शमूएल 19:4–5
- प्रे.का. 20:25–27
- निर्गमन 23:6–9
- यिर्मयाह 22:17–19
- अय्यूब 09:21–24
- रोमियो 16:17–18

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:06** दो साल बाद भी, **निर्दोष** होने के बावजूद यूसुफ बंदीगृह में था।
- **40:04** उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, "क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो **बेगुनाह** है।"
- **40:08** तब सूबेदार जो यीशु का पहरा दे रहे थे, वो सब कुछ जो हुआ था उसे देखकर कहा कि, "यह मनुष्य **धर्मी** था। सचमुच यह परमेश्वर का पुत्र था।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2136, H2600, H2643, H5352, H5355, H5356, G121

निवासस्थान

परिभाषा:

"परमेश्वर का डेरा" (निवास स्थान) एक विशेष मण्डप था जिसमें इस्राएली जंगल के 40 वर्षों में परमेश्वर की आराधना करते थे।

- परमेश्वर ने इस विशाल मण्डप को बनाने के लिए इस्राएलियों को सविस्तार निर्देशन प्रदान किए थे। इसके दो कक्ष थे और यह एक बन्द आंगन से घिरा हुआ था।
- इस्राएली जब भी जंगल में एक स्थान से दूसरे स्थान को जाते थे तब याजक इस मण्डप को उखाड़कर नये स्थान में ले जाते थे। और अपनी छावनी के केन्द्र में उसे खड़ा करते थे।
- यह मण्डप लकड़ी के ढांचे पर कपड़े, बकरी के बाल तथा पशुओं की खाल से बना हुआ था। उसके चारों ओर का प्रांगण परदों द्वारा घिरा हुआ था।
- मण्डप के दो कक्ष, पवित्र स्थान (जिसमें धूप जलाने की वेदी थी) और परम-पवित्र स्थान (जिसमें वाचा का सन्दूक रखा था) थे।
- मण्डप के प्रागण में एक वेदी थी जिस पर पशु-बलि जलाई जाती थी और एक हौदा था जिसमें शोधन अनुष्ठान का पानी रहता था।
- इस्राएलियों ने इस मण्डप का उपयोग समापत हो गया था जब सुलैमान ने यरूशलेम में मन्दिर बना दिया।

अनुवाद के सुझाव:

- "मण्डप" का अर्थ है "रहने का स्थान"। इसका अनुवाद हो सकता है, "पवित्र मण्डप" या "मण्डप जिसमें परमेश्वर था" या "परमेश्वर का मण्डप"
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद "मन्दिर" शब्द के अनुवाद से भिन्न हो।

(यह भी देखें: वेदी, धूप जलाने की वेदी, वाचा का सन्दूक, मन्दिर, मिलापवाला तम्बू)

नींव डाली

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 21:28–30
- 2 इतिहास 01:2–5
- प्रे.का. 07:43
- प्रे.का. 07:44–46
- निर्गमन 38:21–23
- यहोशू 22:19–20
- लैव्यव्यवस्था 10:16–18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H168, H4908, H5520, H5521, H5522, H7900, G4633, G4634, G4636, G4638

नींव डाली

परिभाषा:

क्रिया शब्द "स्थापित करना" का अर्थ है, निर्माण करना, बनाना या आधार रखना। इस वाक्यांश, "पर स्थापित"का अर्थ है, समर्थित या आधार पर। "नींव" वह आधार है जिस पर निर्माण किया जाता है या रचना की जाती है।

- घर या भवन की नींव दृढ़ होनी चाहिए, वह संपूर्ण रचना को संभालने के लिए निर्भर करने योग्य होनी चाहिए।
- "नींव" का संदर्भ किसी बात के आरंभ से भी हो सकता है या वह समय जब किसी वस्तु का निर्माण किया गया था।
- प्रतीकात्मक अर्थ में मसीह के विश्वासियों की तुलना एक ऐसे भवन से की गई है जिसकी नींव प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं की शिक्षा पर पड़ी है जिस भवन के कोने का पत्थर मसीह स्वयं है।
- "नींव का पत्थर" नींव में रखा गया पत्थर होता है। इन पत्थरों को जांच कर देखा जाता था कि वे संपूर्ण रचना को संभालने के लिए दृढ़ हैं या नहीं।

अनुवाद के सुझाव:

- "जगत की उत्पत्ति से पूर्व" का अनुवाद किया जा सकता है, "ब्रह्माण्ड की रचना से पूर्व", या "ब्रह्माण्ड के अस्तित्व को समय से पूर्व" या "संपूर्ण सृष्टि की रचना से पूर्व"।
- "नींव... दृढ़ करके रखी" का अनुवाद हो सकता है, "सुरक्षित बनाया" या "दृढ़ता से आधारित"।
- प्रकरण के अनुसार "नींव" का अनुवाद हो सकता है, "दृढ़ आधार" या "ठोस आधार" या "आरंभ" या "सृष्टि"।

(यह भी देखें: कोने का पत्थर, रचना करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 6:37–38
- 2 इतिहास 3:1–3
- यहेजकेल 13:13–14
- लूका 14:29
- मत्ती 13:35
- मत्ती 25:34

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0134, H0787, H2713, H3245, H3247, H3248, H4143, H4144, H4146, H4328, H4349, H4527, H8356, G23100, G23110, G26020

नीतिवचन

परिभाषा:

नीतिवचन एक छोटी उक्ति है जो बुद्धि की बात या सत्य प्रकट करती है।

- नीतिवचन प्रभावशाली होते है क्योंकि उन्हें स्मरण रखना और दोहराना आसान होता है।
- नीतिवचन में अधिकतर दैनिक जीवन के व्यावहारिक उदाहरण होते हैं।
- कुछ नीतिवचन स्पष्ट एवं सीधे होते है जबकि कुछ नीतिवचन समझने में कठिन होते हैं।
- राजा सुलैमान अपनी बुद्धि के लिए प्रसिद्ध था, उसने 1,000 से अधिक नीतिवचन लिखे थे।
- यीशु मनुष्यों को शिक्षा देने के लिए प्रायः नीतिवचनों एवं दृष्टान्तों का उपयोग करता था।
- "नीतिवचन" का अनुवाद हो सकता है, "बुद्धि की बातें" या "सत्य वचन"

(यह भी देखें: सुलैमान, सत्य, बुद्धिमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 4:32–34
- 1 शमूएल 24:12–13
- 2 पतरस 2:22
- लूका 4:24
- नीतिवचन 1:1–3

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H2420, H4911, H4912, G38500, G39420

नीनवे

तथ्य:

नीनवे अश्शूरों के साम्राज्य की राजधानी थी। "नीनवेवासी" वह था जो नीनवे में रहता था।

- परमेश्वर ने योना को भेजा था कि नीनवे के लोगों को दुष्टता से फिरने की चेतावनी दे। उन्होंने मन फिराया और परमेश्वर ने उन्हें नष्ट नहीं किया।
- नहूम और सपन्याह नामक दो भविष्यद्वक्ताओं ने भाविश्यद्वानी की थी कि परमेश्वर नीनवे को उनके पापों के दंड स्वरूप नष्ट कर देगा|

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अश्शूर, योना, मन फिराना, बदलना)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 10:11–14
- योना 1:3
- योना 3:3
- लूका 11:32
- मत्ती 12:41

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5210, G35350, G35360

नील नदी

तथ्य:

उत्तरी पश्चिम अफ्रीका में नील नदी एक लम्बी चौड़ी नदी है। यह मिस्र का एक प्रसिद्ध नदी है।

- नील नदी मिस्र में से बहती हुई उत्तर में भूमध्य सागर में गिरती है।
- नील नदी के दोनों ओर उपजाऊ भूमि में अच्छी फसल उगती है।
- अधिकांश मिस्र-वासी नील नदी के निकट रहा करते हैं क्योंकि यह जल एवं भोजन की वस्तुओं का एक महत्वपूर्ण साधन है।
- इस्राएली गोशेन में रहते थे क्योंकि नील नदी के निकट होने के कारण वह एक उपजाऊ प्रदेश था।
- मूसा जब शिशु था तब उसके माता-पिता ने उसे एक टोकरी में रखकर नील नदी की लम्बी घासों में छिपा दिया था कि फिरौन के लोग उसे देख न पाएं।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: मिस्र, गोशेन, मूसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- आमोस 08:7–8
- उत्पत्ति 41:1–3
- यिर्मयाह 46:7–9

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **08:04** मिस्र **नील नदी** के किनारे स्थित एक बड़ा , शक्तिशाली देश था |
- **09:04** जब फ़िरौन ने देखा कि इस्राएलियों की संताने बहुत अधिक बढ़ती जा रही है, तब फ़िरौन ने आपनी सारी प्रजा के लोगों को आज्ञा दी, इब्रियों के जितने बेटे उत्पन्न हो उन सभी को तुम **नील नदी** में डाल देना |
- **09:06** जब लड़के के माता-पिता उसे और छिपा नहीं सकते थे, तो उन्होंने उसे मारे जाने से बचाने के लिए **नील नदी** के किनारे सरकंडों के बीच तैरती टोकरी में डाल दिया।
- **10:03** परमेश्वर ने **नील नदी** को लहू से भर दिया, तब भी फ़िरौन का मन हठीला रहा और उसने इस्राएलियों को नहीं जाने दिया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2975, H4714, H5104

नूह

तथ्य:

नूह लगभग 4000 वर्ष पूर्व था जब परमेश्वर ने पृथ्वी पर से सब पापियों को नष्ट करने के लिए जलप्रलय किया था। परमेश्वर ने नूह को आज्ञा दी कि वह एक विशाल नाव बनाए जिसमें बाढ़ का पानी पृथ्वी पर फैलने के समय उसका परिवार सुरक्षित रहे।

- नूह एक धर्मी पुरूष था जो हर एक बात में परमेश्वर की आज्ञा मानता था।
- नूह ने उस नाव को ठीक वैसा ही बनाया जैसा परमेश्वर ने कहा था।
- इस नाव में नूह और उसका परिवार सुरक्षित रहे और बाद में पृथ्वी पर फैल गए।
- तब के बाद सब मनुष्य नूह के वंशज हैं।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: वंशज, जहाज)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 5:30–31
- उत्पत्ति 5:32
- उत्पत्ति 6:8
- उत्पत्ति 8:1
- इब्रानियों 11:7
- मत्ती 24:37

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **3:2** परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह की दृष्टी **नूह** पर बनी रही |
- **3:4 नूह** और उसके तीन बेटों ने नाव की रचना वैसे ही की जैसे परमेश्वर ने उनसे कहा था |
- **3:13** दो महीने बाद परमेश्वर ने **नूह** से कहा कि तू अपने पुत्रों, पत्नी और बहुओ समेत जहाज में से निकल आ | परमेश्वर ने नूह को आशीष दी “फलों-फूलो, और बढ़ो, और पृथ्वी में भर जाओ | तब **नूह** और उसका परिवार जहाज में से निकल आए |

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5146, G35750

नोप

परिभाषा:

नोप नील नदी के किनारे मिस्र की प्राचीन राजधानी थी।

- नोप निचले मिस्र में नील नदी के मुहाने पर दक्षिण में था जहाँ भूमि बहुत उपजाऊ थी और फसलें विपुलता में उगती थी।
- उसकी उपजाऊ भूमि तथा ऊपरी और निचले मिस्र के मध्य उसकी स्थिति के कारण यह नगर व्यापार एवं वाणिज्य के लिए एक अत्यधिक महत्वपूर्ण नगर हो गया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: मिस्र, नील नदी)

बाइबल सन्दर्भ:

- होशे 09:5–6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4644, H5297